सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 200 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 27 अगस्त, 2025

मैं भारत के भविष्य की संभावनाओं के लेकर हमेशा बहुत कॉफिडेंट और उत्साही रहा हूं। मुझे लगता है ये एक महान क्षमता वाला महान देश है।

–रतन टाटा

अश्विन ने आईपीएल को भी कहा... 7 | अखिलेश की पीडीए की जाल में... 3 | भाजपा की नकारात्मक राजनीति... 2

ट्रंप टैरिफ से भारत में हाहाकार

50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ से बौखलाई कांग्रेस

» विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार

» निर्यातक भी परेशान टैक्स पर घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत को अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले अपने उत्पादों पर 50प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन और भारत के बीच व्यापार वार्ता में गतिरोध जारी रहने के कारण, सरकार दंडात्मक टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए कई उपायों पर विचार कर रही है। 50 प्रतिशत टैरिफ का असर अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले 48.2 अरब डॉलर मूल्य के माल पर पड़ेगा। इस फैसले के बाद देश में हाहाकार मच गया है। नए टैरिफ बुधवार सुबह 9.30 बजे से लागू हुए है।

पीएम मोदी में कहा है कि किसी भी दबाव से समझौता नहीं करेंगे। लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार मोदी सरकार पर हमलावर रही है। कांग्रेस ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) के प्रभावी होने के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि अमेरिका के साथ उनका मेगा साझेदारी वाला फार्मूला देश के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा अमेरिकी शुल्क का सबसे ज्यादा असर कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और इंजीनियरिंग क्षेत्र पर होगा।

लाखों नौकरियां दांव पर लगी, निर्यात हुआ ठप, अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा असर

अमेरिका का भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। हितधारकों का कहना है कि राज्य के श्रम आधारित चमड़ा, इंजीनियरिंग और समुद्री क्षेत्रों को आगामी त्योहारों से पहले काफी नुकसान होने की आशंका है। रूसी तेल की खरीद के लिए भारतीय उत्पादों पर बढ़ा हुआ शुल्क बुधवार से लागू हो गया, जिससे भारत पर अब कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। निर्यातकों ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न भू-राजनीतिक प्रतिकूल परिस्थितियों से निर्यात और यहां तक कि उत्पादन भी फिलहाल रोक दिया गया है। व्यापार अनुमानों के अनुसार, इस कदम से कम से कम 45,000 करोड़ रुपये के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा और बंगाल सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है।

प्रधानमंत्री मोदी का मेगा फॉर्मूला भारत के लिए बना जंजाल : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ट्रंप का दोहरा शुल्क लागू हो गया है। यह निस्संदेह अमेरिका में हमारे श्रम-प्रधान निर्यात को प्रभावित करेगा, विशेष रूप से कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और इंजीनियरिंग क्षेत्र पर यह असर डालेगा। उन्होंने कहा कि पिछले चौबीस घंटे के भीतर, अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने एच1बी वीजा प्रणाली के खिलाफ भी बात की है, जिसके सबसे बड़े लाभार्थी भारतीय आईटी पेशेवर रहे हैं। रमेश ने कहा, यह राष्ट्रपति ट्रंप के मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के आधार की प्रमुख मांगों में से एक रही है। यह वही मागा है जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल फरवरी में अपने कथित विजयी फॉर्मूले मागा + मीगा = मेगा में इस्तेमाल किया था। उन्होंने दावा किया कि मोदी द्वारा निर्मित यह मेगा अब भारत के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल फरवरी में अपने अमेरिका दौरे के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चर्चित कथन 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) की तर्ज पर 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (मीगा) का मंत्र दिया था और कहा था कि ये दोनों दृष्टिकोण मिलकर समृद्धि के लिए ''मेगा'' साझेदारी बनाते हैं तथा द्विपक्षीय साझेदारी को नई ऊंचाई प्रदान करने वाले हैं।

बिहार में इंसानियत शर्मसार : सिर मुड़वाया... पेशाब पिलाई... जूतों की माला पहनाकर घुमाया

» नवादा में दंपती की मॉब लिंचिंग पति की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवादा। बिहार के नवादा से एक दिलदहलाने वाली व इंसानियत को शर्मसार करने वाली खबर आ रही है। इस घटना ने समाज व सरकार दोनों पर सवाल उठा दिए हैं। नवादा के हिसुआ थाना क्षेत्र इस वक्त बड़ी घटना सामने आई है, जहां एक दंपती को मुहल्लावासी ने डायन बताकर माबलिंचिंग घटना की अंजाम दे दिया।

जिसमें पति की मौत हो गई, वहीं पत्नी बुरी तरह जख्मी अवस्था में है। थाना क्षेत्र के पांचू गढ़ मुसहरी की है। इस घटना के बाद नीतीश सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। राजद व कांग्रेस ने एकबार फिर राज्य की कानूनव्यवस्था को लेकर जोरदार हमला किया है।

छह लोग हिरासत में

इस बीच पुलिस ने पांच से छह लोगों को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ जारी है। घटना मंगलवार की दर की है, सूचना पर डायल 112 पुलिस टीम को रात्रि में ही पहुंचकर मामले को शांत कराकर लौट गई थी, लेकिन पुलिस के जाते ही लोगों ने दंपती को मारपीट कर घटना को अंजाम तक पहुंचा दिया।

दंपती को डायन बताकर क्रूरता के साथ मारपीट किया

मुहल्ले के लोगों ने 70 व 65 वर्षीय दंपती को डायन बताकर क्रूरता के साथ मारपीट किया है। बताया गया है, कि दोनों को सिर मुंडन कर सिर में चूना लगाया और पेशाब पिलाया, फिर जूते-चप्पल का माला पहनाया और बुरी तरह मारते -पीटते पूरे मुहल्ले में घुमाया।

मृत पति के साथ पत्नी को जिंदा जलाने की थी तैयारी

यहीं नहीं मृत पति के साथ पत्नी को जिंदा जलाने की तैयारी भी कर लिया गया था, तभी पुलिस को सूचना मिली तो शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा और जख्मी महिला को इलाज के लिए हिसुआ सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भाजपा की नकारात्मक राजनीति समाज में संकट और दूरियां पैदा कर रही : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- धर्म-जात की विभेदकारी नफ़रत की राजनीति चरम पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फिर एकबार भाजपा को आड़े हाथों लिया। सपा प्रमुख ने कहा है कि भाजपा की नकारात्मक राजनीति समाज में संकट और दूरियां पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों ने ऐग्लों-इंडियन्स का आरक्षण समाप्त किया। किसानों को परेशान करने के लिए काले क़ानून लाए, नोटबंदी से हर नागरिक को परेशान किया। जीएसटी से छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और कारोबारियों को परेशान किया, धर्म-जात की विभेदकारी नफ़रत की राजनीति की और अब वक्फ की सियासत कर रहे है।

अखिलेश यादव ने कहा कि दरअसल भाजपा को ये डर है कि उनका जो भी 5-10 प्रतिशत कट्टर समर्थक है उसे कैसे खुश करके बचाया-बनाया जा सके नहीं तो भाजपा के लिए 1-2 सीट के भी लाले पड़ जाएंगे। भाजपा का सफाया होना तय हैं। यादव ने कहा कि भाजपा नफरत, बांटने और झूठ की राजनीति करती है। भाजपा किसान, नौजवान, पीडीए विरोधी है। जनता को धोखा दे रही है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। संविधान और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है।

पीडीए 90 प्रतिशत जनता की एकता का नाम

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट कर भाजपा की नकारात्मक राजनीति को परास्त करेगी। पीडीए 90 प्रतिशत जनता की एकता का नाम है। पीडीए संविधान और आरक्षण की ढाल है। भाजपा पीडीए के खिलाफ लगातार षड्यंत्र कर रही है। पीडीए समाज भाजपा की साजिशों को समझ रहा है। आने वाले चुनाव में यह एक बार फिर भाजपा को सबक सिखाएगा।

खाद की किल्लत पर सपा का जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। प्रदेश में किसानों को खाद न मिलने से नाराज सपा छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज में प्रदर्शन किया। हल लेकर विधानभवन की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों की पुलिस से काफी देर तक धक्कामुक्की हुई। बाद में पुलिस ने हंगामा कर रहे कार्यकर्ताओं को बस में लाद कर ईको गार्डन भेज दिया। सपा छात्र सभा के प्रदेश सचिव नवनीत यादव की अगुवाई में कार्यकर्ता सहकारिता भवन के पास एकत्र हुए थे। वे सब हाथों में हल लेकर विधानभवन की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें वहीं रोक दिया। इससे नाराज प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी खाद की कालाबाजारी रोकने और किसानों को न्याय दिलाने की मांग कर रहे थे।

उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रेड्डी के समर्थन में जुटे दिग्गज

- इंडिया गठबंधन के नेताओं ने किया भोज का आयोजन
- कांग्रेस-सपा सांसद हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में होटल ताज में स्वागत कार्यक्रम रखा गया। इस भोज कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस पार्टी की ओर से किया गया था। इसमें सपा और कांग्रेस के सांसदों ने हिस्सा लिया। रेड्डी ने सभी सांसदों से परिचय भी प्राप्त किया।

कांग्रेसियों ने उपराष्ट्रपति पद के इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी के लखनऊ पहुंचने पर एयरपोर्ट से लेकर पार्टी मुख्यालय में जोरदार स्वागत किया। कांग्रेस मुख्यलाय में रेड्डी ने कहा कि महात्मा गांधी के संदेश को जन जन तक पहुंचाकर नफरत खत्म करनी है। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी आदि ने स्वागत किया। यहां से वे कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। यहां सेवादल के मुख्य संगठक डॉ. प्रमोद पांडेय के नेतृत्व में सलामी दी गई। स्वागत करने वालों में मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, मुकेश सिंह चौहान, अंशू अवस्थी, सचिन रावत, वीरेंद्र मदान आदि शामिल रहे। रेड्डी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य नेताओं के साथ बैठक कर चुनाव पर चर्चा की। इस दौरान सांसद किशोरी लाल शर्मा, इमरान मसूद, राकेश राठौर, तनुज पुनिया, वीरेंद्र चौधरी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी आदि मौजूद रहे। यहां वे करीब घंटेभर रुके। फिर कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल उन्हें सपा दफ्तर ले गए।

आप नेताओं को जेल में डालना मोदी सरकार की नीति : संजय

भारद्वाज के छापे के बाद निशाने पर भाजपा, गिरफ्तार करना है तो कर लो : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिन भर चली ईडी की छापामारी के बाद रात को हुंकार भरने के बाद बुधवार को वह बड़ा खुलासा किया। वहीं इसको लेकर आप ने भाजपा पर करारा वार भी किया है। वहीं आप सांसद संजय सिंह ने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके के खिलाफ दर्ज मामला झूठा और निराधार है। क्योंकि जिस समय ईडी ने मामला दर्ज किया था, उस समय वह मंत्री भी नहीं थे।

आप नेताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करना और उन्हें जेल में डालना मोदी सरकार की नीति है। भाजपा सरकार सभी आप नेताओं को एक-एक करके परेशान कर रही है और उन्हें जेल में डाल रही है। पीएम मोदी की फर्जी डिग्री से ध्यान हटाने के लिए छापेमारी की जा रही है। पीएम मोदी की फर्जी डिग्री पर चर्चा न हो, इसके लिए ईडी ने कार्रवाई की है।

देर रात अपने समर्थकों से घिरे भारद्वाज ने कहा कि मैंने उनको (ईडी) तीन बार अपनी गिरफ्तारी की पेशकश की। भारद्वाज ने कहा कि ने ईडी क्या है इसके बारे में बड़ा खुलासा बुधवार को किया जाएगा। दिल्ली

पीएम मोदी की डिग्री की चर्चा न हो इसलिए रेड : सीएम मान

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि आज सौरभ भारद्वाज के घर पर छापा मारा गया है। क्योंकि कल से पूरे देश में पीएम मोदी की डिग्री को लेकर चर्चा की। जो डिग्री फर्जी है। ये रेड उस से ध्यान भटकाने के लिए की गई है। सत्येंद्र जैन को भी तीन साल जेल में रखा लेकिन बाद में सीबीआई और ईडी ने कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट फाइल की। इस से साफ है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं पर किए गए सारे केस फर्जी और झूठे हैं।

आतिशी ने कहा- छापा ध्यान भटकाने के लिए

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा कि ईडी ने सौरभ भारद्वाज के आवास पर 20 घंटे तक तलाशी ली। सौरभ भारद्वाज के आवास पर छापेमारी क्यों की गई?... ये छापेमारी सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए की गई। आप की ताकत है कि वह कभी झुकती नहीं और इसीलिए भाजपा आप से डरती है। सौरभ भारद्वाज के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी की ओर से बयान सामने आया है। आप ने इस कार्रवाई को ध्यान भटकाने की रणनीति बताया है। साथ ही दावा किया है कि उनके खिलाफ मामला झूठा है। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने ईडी की कार्रवाई पर कहा कि छापेमारी ध्यान भटकाने की रणनीति है। यह मामला उस समय का है जब भारद्वाज किसी मंत्री पद पर नहीं थे। यह मामला झूठा है।

आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मैंने ईडी की टीमों से कहा कि अगर वे मुझे गिरफ्तार करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं। मैंने उन्हें तीन बार यह प्रस्ताव दिया... मैं अरविंद केजरीवाल का अनुयायी हूं। मैं आपकी इच्छा के अनुसार काम नहीं करूंगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चामुंडी हिल केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं : शिवकुमार

- डिप्टी सीएम के बयान पर भाजपा ने आपत्ति जताई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि मैसुरू स्थित चामुंडी हिल, जहां प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर स्थित है, केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। इस बयान पर विपक्षी दल भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

शिवकुमार ने यह बयान अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित बानू मुश्ताक को इस वर्ष 22 सितंबर को चामुंडी हिल की चोटी पर विश्व प्रसिद्ध मैसुरू दशहरा-2025 समारोह का उद्घाटन करने के लिए दिए गए सरकारी निमंत्रण के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिया। शिवकुमार ने कहा, ''चामुंडी हिल और देवी चामुंडी हर धर्म की हैं, यह केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। सभी समुदायों के लोग चामुंडी हिल जाते हैं और देवी की पूजा करते हैं, यह उनकी आस्था है। हम चर्च, जैन मंदिर, दरगाह, गुरुद्वारे जाते हैं... यह (मुश्ताक का विरोध) पूरी तरह से राजनीति है।

अखिलेश की पीडीए की जाल में फंसी भाजपा

पूजा पाल को जोड़ने के लिए बेताब है बीजेपी

» सपा ने तैयार की नई रणनीति

» विस चुनाव 27 में पीडीए अत्याचार बनेगा मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश के पीडीए की जाल में भाजपा फंसती जा रही है। इसी के चलते वह प्रदेश के इस वर्ग से आने वाले पिछड़ी जाति के लोगों को अपनी ओर जोड़ने का हर जुगह लगा रही है। इसी मदद् नजर वह पाल समुदाय से आने वाली सपा की निष्कासित नेता पूजा पाल पर डोरे डाल रही है। वहीं उत्तर प्रदेश स्थित कौशांबी के चायल से विधायक पूजा पाल और उनकी चिट्ठियां चर्चा एवं राजनीति का केंद्र बनीं हुईं है। पूजा पाल ने अब तक दो चिट्ठियां लिखीं हैं और उनमें से एक में पीडीए का जिक्र है।

समाजवादी पार्टी से निष्कासित हो चुकी पूजा पाल के ट्वीट में पीडीए का जिक्र है क्योंकि यूपी में पीडीए लगातार सत्ता की धुरी बना हुआ है। पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक। साल 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में पीडीए का मुद्दा अहम होने वाला है। जिसके पाले में पीडीए का वोट गया समझो सत्ता की तरफ उसका पलड़ा भारी हो गया। अब अखिलेश के इसी पीडीए के सियासी जाल को काटने के लिए भारतीय जनता पार्टी पूरे जी जान से लग गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार पीडीए पॉलिटिक्स की तरफ आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि वह लोकसभा चुनाव में इसका असर देख चुके हैं। अब पूजा पाल भी उसी पीडीए में शामिल जाति से आती है। समाजवादी पार्टी उन्हें निकाल चुकी है। वो बीजेपी से नजदीकियां बढ़ा रही है। इसलिए एक बार फिर पीडीए की राजनीति गमा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार में सबसे ज्यादा दुखी अगर कोई है तो पीडीए समाज के लोग ही हैं। कभी-कभी सम्मान के लिए कभी-कभी इस बात के लिए भी कि शायद सरकार सच बोल रही है उनका भरोसा कर करके।

बीजेपी ने की पूजा पाल की तारीफ

इस मामले में बीजेपी भी खुलकर कुछ कहने से बच नहीं रही है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि यह सब वही समाजवादी पार्टी के लोग हैं, इनके चरित्र को प्रदेश की जनता अच्छी तरह जानती है हम सब विधायक पूजा पाल के साथ हैं. और पूरा प्रदेश पूजा पाल के साथ है, वहीं योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि पीडीए की लोग बात करते हैं और पूजा पाल जैसी महिला का वो सपोर्ट नहीं करते हैं। केवल उन्होंने सही बात कह दी तो उसके लिए उनको सजा दे रहे हैं उनको पार्टी से निकाल रहे हैं। कुल मिलाकर सारी लड़ाई पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वोट की ही है, अब पूजा पाल का अगला कदम क्या होता है? यह देखना दिलचस्प होगा।

पूजा पाल बीजेपी में शामिल हो सकती है

अटकलें हैं कि पूजा पाल बीजेपी में शामिल हो सकती है, इसे बीजेपी के अखिलेश यादव की पीडीए पॉलिटिक्स की काट के तौर पर देखा जा रहा है। तभी तो बीजेपी ने पूजापाल का नाम लेकर पीडीए का जिक्र किया। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि पूजापाल की बसे बड़ी गलती क्या थी? उनका क्राइम क्या था? पूजापाल पीड़ित है उस गुंडाराज, माफिया राज से जिसको समाजवादी पार्टी ने संरक्षण दिया. पीडीए समाज से आने वाली बेटी के साथ अखिलेश ने वोट बैंक के नाम पर किस प्रकार का व्यवहार किया है? उनको जवाब देना होगा कि एक ऐसी बेटी के साथ इस प्रकार का अन्याय क्यों कर रहे हैं?

वोट तस्वीर बदलने की ताकत रखता पीडीए

उत्तर प्रदेश में पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक का वोट तस्वीर बदलने की ताकत रखता है। अखिलेश को भी पता है कि पीडीए के दम पर वो यूपी के सिंहासन तक पहुंच सकते हैं। लोकसभा चुनाव में पीडीए ने जिस तरह से उनका साथ दिया है उससे अखिलेश की उम्मीद

और बढ़ी है। साल 2019 में समाजवादी पार्टी का वोट शेयर 18.11प्रतिशत था जो 2024 लोकसभा चुनाव में बढ़कर 33.59प्रतिशत हो गया। समाजवादी पार्टी ने 204 में यूपी में 80 लोकसभा सीटों में से 37 पर जीत दर्ज की थी। इन 37 सीटों पर 21 सीट पर ओबीसी, सात सीट पर दलित, चार सीट पर मुस्लिम और पांच सीट पर उच्च जाति के उम्मीदवार थे।

भाजपा में आने से होगा पार्टी को लाभ

समाजवादी पार्टी से निष्कासित पूजा पाल भी पिछड़ा वर्ग से हैं। ऐसे में अगर वह बीजेपी की नाव पर सवार होती है तो इससे बीजेपी को फायदा हो सकता है। ऐसा होने पर पीडीए में सेंध लग सकती है जिसका सीधा फायदा बीजेपी को होगा। अगर पूजा पाल ने कमल थामा तो इसके कई मायने भी होंगे। पूजा पाल के जरिए बीजेपी यह दिखाने की कोशिश करेगी कि समाजवादी पार्टी में महिलाओं का सम्मान नहीं है। पूजा पाल को साथ लाकर बीजेपी उनकी जाति के पाल वोटर्स को संदेश दे सकती है। पिछड़ा वर्ग से आने वाली पूजा पाल बीजेपी में शामिल हुई तो बीजेपी यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकती है कि सपा की नजर सिर्फ पीडीए के वोट पर है. उनके विकास से उन्हें कुछ लेना देना नही।

एनडीए में सीटों का बंटवारा तय!

» बिहार चुनाव : भाजपा और जेडीयू के बीच बनी सहमति

» दोनों पार्टियां 243 सीटों में से 100 से 105 सीटों पर चुनाव लड़ सकती हैं

» चिराग के खाते में क्या आएगा? मांझी पर भी संशय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों में होने वाले हैं। एनडीए (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। इंडियन एक्सप्रेस में सूत्रों के हवाले से प्रकाशित खबर में बताया गया है कि भालपा (भारतीय जनता पार्टी) और जनता दल (यूनाइटेड) के बीच लगभग सहमति बन गई है। खबर है कि दोनों पार्टियां 243 सीटों में से 100 से 105 सीटों पर चुनाव लड़ सकती हैं।

चिराग पासवान की पार्टी रु40 सीटें मांग रही है, लेकिन उसे लगभग आधी सीटें मिल सकती हैं। बाकी सीटें जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा) को दी जा सकती हैं। अगर मुकेश सहनी की पार्टी (विकासशील इंसान पार्टी), जो अभी राजद-कांग्रेस के महागठबंधन के साथ है, पाला बदलती है तो समीकरण बदल सकते हैं। 2020 के विधानसभा चुनावों में जेडीयू ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा था और भाजपा ने 110 सीटों पर। उस समय वीआईपी जो एनडीए का हिस्सा थी, ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा था और LJP ने अकेले 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था। भाजपा और जेडीयू से ज्यादा सीटें जीतकर आई थी। भाजपा को 74 सीटें मिली थीं, जबकि जेडीयू को 43 सीटें पर जीत मिली थी। लेकिन सूत्रों का कहना है कि जेडीयू इस बार 100 से कम सीटें स्वीकार नहीं करेगी। एक वरिष्ठ एडीए नेता ने कहा, पिछली बार जेडीयू का प्रदर्शन यूपी के कारण खराब रहा था।

जेडीयूके 10 प्रतिशत वोट हैं

पार्टी के पास अभी भी बिहार के लगभग 10प्रतिशत वोट हैं, खासकर (एक्सट्रीमली बैकवर्ड क्लासेस) में। ीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है। जदयू के भाजपा से कम सीटों पर चुनाव लड़ने का सवाल ही नहीं उठता, हालांकि सहयोगियों को समायोजित करने के लिए कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।

लोकसभा चुनाव में चमके चिराग

एली आरवी का कहना है कि उसने 2024 के लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था, उसने सभी 5 सीटें जीती थीं और 6ब से ज्यादा वोट हासिल किए थे। उसने अपने निर्वाचन क्षेत्रों के 30 में से 29 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की थी। एक वरिष्ठनेता ने कहा, लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़े गए थे।विधानसभा चुनावों में स्थानीय कारक और पार्टी की जमीनी ताकत ज्यादा मायने रखती है। 2020 के विधानसभा चुनावों में एलजेपी ने 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन उसे सिर्फ एक सीट मिली थी। हालांकि, जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारने से एनडीए को नुकसान हुआ था। 64 सीटों पर जहां एलजेपी तीसरे या उससे निचले स्थान पर रही, उसने विजेता के अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए थे। इनमें से 27 सीटों पर छ्यष्ठ को सीधा नुकसान हुआ था, जहां वह दूसरे स्थान पर रही थी।

छोटे दलों को भी साधने की कोशिश में बीजेपी?

सीटों के बंटवारे को लेकर बीजेपी जदयू के बीच लगभग सहमति बन गई है। एलजीपी को लेकर कुछ मतभेद हैं। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, वे 40 सीटें मांग रहे हैं, जो उनकी क्षमता से कहीं ज्यादा है, उनके पास 5 सांसद हैं और इसका सम्मान किया जाएगा, लेकिन सही आंकड़ा 20 के करीब है। हमें कुशवाहा और मांझी को भी समायोजित करना है और कुछ नए लोग भी आ सकते हैं। इसका मतलब है किबीजेपी, लोजपा को उसकी मांग से कम सीटें देना चाहती है। बीजपी को अन्य छोटे दलों को भी सीटें देनी हैं।

एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश

सूत्रों का कहना है कि एलजेपी ने हाल ही में नीतीश कुमार सरकार की कानून-व्यवस्था की आलोचना की थी। पासवान ने राज्य की राजनीति में लौटने की बात कही थी। यह सब गठबंधन पर ज्यादा सीटों के लिए दबाव बनाने के लिए किया जा रहा था। एलजीपी) नेताओं का कहना है कि यह पार्टी की विस्तार रणनीति का हिस्सा है। पार्टी का लक्ष्य लंबे समय में बिहार के 15प्रतिशत वोट हासिल करना है, 2020 में पार्टी को सिर्फ 5.66प्रतिशत वोट मिले थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नो रोड-नो टोल की नीति लागू हो!

हाल ही में कोर्ट ने एक तल्ख टिप्पणी की थी। न्यायलय ने कहा था जब सड़कों पर गड्ढे हैं तो लोगों से टोल टैक्स क्यों लिया जा रही है। यह एक अच्छी टिप्पणी थी। साथ इससे सरकारों को अदालत ने आइना भी दिखाया। इस पर आम जन ने भी अदालत का साथ दिया है। वैसे भी तार्किक है कि जब सुविधाएं नहीं है तो टैक्स लेने का औचित्य क्या। हालांकि इस टिप्पणी के बाद सरकारों को आगे की व्यवस्था के लिए इस पर विचार करना चाहिए की। टोल टैक्स का सिद्धांत स्पष्ट है बेहतर सड़क, तेज़ सफर और सुरक्षित यात्रा। लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। गाड़ी चलाने वाला हर व्यक्ति जानता है कि राजमार्गों की हालत किसी परीक्षा से कम नहीं-कभी गड्ढे से बचो, कभी टूटी लेन का खतरा उठाओ। टोल देने वाला नागरिक सेवाओं का हकदार है और जब सेवा ही नहीं मिली तो यह वसूली अन्यायपूर्ण है। बदहाल राजमार्गों को लेकर जवाबदेही भी होनी चाहिए। बदहाल राजमार्गों पर टोल वसूली किसी भी तरह से जायज नहीं है। कोर्ट ने भी कई बार इसी संदर्भ में टोल कंपनियों को उनकी व्यवस्था और टोल वसूली के लिए सचेत किया है।

यदि राजमार्गों की स्थिति बेहतर होगी तो विकास और तेजी से होगा। टोल टैक्स चुकाना बेहद खटकता है जब जिन सड़कों पर हम चलते हैं, वे गड्ढों, धुंधले साइनबोर्ड और खराब नालियों से भरी हों। ये शुल्क इसलिए लिए जाते हैं ताकि हमारी सड़कें बेहतर स्थिति में रहें, लेकिन जब वे चलने लायक भी न हों, तो यह सीधा-सीधा ठगा जाने जैसा लगता है। खराब सड़कें दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ाती हैं, गाड़ियों को नुकसान पहुंचाती हैं, ईंधन की बर्बादी करती हैं। अगर सरकार और टोल ऑपरेटर वसूली जारी रखते हैं, तो उन्हें जवाबदेह भी होना चाहिए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, जून 2025 तक देश में कुल 1,087 टोल प्लाजा कार्यरत हैं और ये सभी टोल प्लाजा 1.5 लाख किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा हैं। इन टोल प्लाजा के जरिए लगभग 45,000 किलोमीटर पर टोल वसूला जाता है. रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में टोल प्लाजा की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है। एक दिलचस्प तथ्य यह है कि वर्तमान में मौजूद सभी टोल प्लाजा में से 457 पिछले पांच वर्षों में बनाए गए हैं। बदहाल राजमार्गों पर टोल वसूली अनुचित है, क्योंकि टोल का उद्देश्य अच्छी, सुरक्षित और तेज यात्रा उपलब्ध कराना है। गड्ढों से भरी सड़कों पर यात्रियों को समय, ईंधन और वाहन का नुकसान उठाना पड़ता है, ऐसे में टैक्स वसूली जनता पर दोहरी मार है। सरकार को चाहिए कि नो रोड-नो टोल नीति लागू कर सड़कें मानक के अनुरूप बनने तक वसूली पर रोक लगाए और टोल राशि का पारदर्शी उपयोग रखरखाव में करे।

“ टोल टैक्स का सिद्धांत स्पष्ट है बेहतर सड़क, तेज़ सफर और सुरक्षित यात्रा। लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। गाड़ी चलाने वाला हर व्यक्ति जानता है कि राजमार्गों की हालत किसी परीक्षा से कम नहीं-कभी गड्ढे से बचो, कभी टूटी लेन का खतरा उठाओ। टोल देने वाला नागरिक सेवाओं का हकदार है और जब सेवा ही नहीं मिली तो यह वसूली अन्यायपूर्ण है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोच के रूप में कसौटी पर गंभीर के प्रयास

प्रदीप पत्रिका

जब मैंने रहस्यमयी भारतीय कोच गौतम गंभीर के बारे में लिखना शुरू किया तो पृष्ठभूमि में ग्रेग चैपल की छवि आन खड़ी हुई। कोई भी दो लोग शैली, व्यक्तित्व, छवि और उपलब्धियों में इतने भिन्ने नहीं हो सकते जितने कि ये दोनों, फिर भी इनके व्यक्तित्व मेरे मन में गडमड हो रहे हैं। दोनों में एकमात्र स्पष्ट समानता यह है कि जिस पद पर गौतम आज हैं, उस पर ग्रेग चैपल बतौर भारतीय टीम के कोच रहे। 2004-05 की सितारों जड़ी भारतीय टीम, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले और खुद एक महान बल्लेबाज रहे ग्रेग के भारतीय कोच बनने के दिनों को याद कीजिए। जिस शालीनता और शान के साथ यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी करता था, वह उनकी वाक्पटुता, खेल के तकनीकी ज्ञान के अलावा बातचीत में लोगों को कायल करने के गुण से मेल खाता था।।

उनके कोचिंग कार्यकाल की वह उत्साहपूर्ण शुरुआत कोई दो साल बाद एक ऐसी विभाजित टीम के कोच के रूप में समाप्त हुई, जिसके खिलाड़ी असुरक्षित और अपनी उस परछाई तक से सशंकित हो चले थे, जिससे वे कभी प्यार करते थे। टीम को स्टार-कल्चर से मुक्ति दिलाने के इरादे से ग्रेग की आमद हुई थी; लेकिन आखिर में उनकी उपलब्धि थी वेस्ट इंडीज में आयोजित 2007 के विश्व कप में एक सम्मान से वंचित, भ्रमित एवं अराजकता भरी टीम, जिसने भारतीय क्रिकेट को बुरी तरह प्रभावित किया। ग्रेग अंत तक अपने इस विश्वास पर अडिग थे कि भारत की समस्या प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि वह स्टार कल्चर है जो नए खिलाड़ियों के विकास में बाधक है और एक ऐसा पदानुक्रम बनाती है जो टीम भावना और सद्भाव के लिए नुकसानदायक है। ग्रेग ने भले ही समस्या की शिनाख्त कर ली हो, लेकिन समाधान के उनके तरीकों में उस संवेदनशीलता और भारतीय मानस की उचित समझ का अभाव रहा। जिन्हें बदलाव से झिझक है, खासकर जब यह अचानक और तेजी से हो, उनके लिए उनका यह तरीका विदेशी संस्कृति की उपज था।

शायद जिस चीज ने उनको हराया, वह था उनका नैतिकता के उस उच्च सिंहासन पर जा विराजना, जहां से उन्हें वह दुनिया दिखनी बंद हो गई, जिसको वे शायद ही समझ पाए और समझने की कोशिश भी नहीं की। उनके अंदर अपने पूर्ववर्ती और पिछले कोच न्यूजीलैंड के जॉन राइट जैसी सहज वृत्ति

नहीं थी, जिन्होंने यथास्थिति को हिलाए बगैर प्रगतिशील बदलाव बनाए थे। ग्रेग के असंगत से तरीकों से पैदा हुई उथल-पुथल को उनकी जगह आए गैरी कर्स्टन की सूझबूझ ने शांत किया और भारतीय टीम ने 2011 का विश्व कप जीता। विदेशी कोच के रूप में आखिरी थे इंग्लैंड के डंकन फ्लेचर, जिन्होंने इस बात को छिपाने की जरा भी कोशिश नहीं की कि वे एक बाहरी व्यक्ति हैं और नया तरीका चाहे भारतीय हो या विदेशी, उसको अपनाने में जरा दिलचस्पी नहीं है। आखिरकार अनुभवी रवि शास्त्री ने टीम में ठेठ 'भारतीय ढंग' फिर से लौटाया, जिसमें क्रिकेट की कुशाग्रता, देशी ज्ञान के साथ मिलाकर, निरंतरता की संस्कृति पूर्ववत बनी रही, और मरम्मत केवल उतनी की गई जिससे नींव को नुकसान न पहुंचे। पिछली परिपाटी और गहरे तक जड़ जमाए पदानुक्रम संस्कृति वाली टीम, जिसमें मजबूती की परवाह किए बिना स्टारडम को प्राथमिकता हो। कोच के रूप में गौतम गंभीर की नियुक्ति ऐसे वक्त में हुई जब इसके प्रमुख सितारे विराट कोहली और रोहित शर्मा मद्धम पड़ने लगे। उम्र 44 साल हो और जिसका इतिहास व्यवहार के सामाजिक मानदंडों पर हमेशा अपेक्षित स्तर का न रहा हो, ऐसे गौतम गंभीर का व्यक्तित्व अध्ययन करने के लिए एक दिलचस्प केस है। साल 2009 में ईएसपीएन चैनल के 'क्रिक इन्फो' नामक कार्यक्रम में सिद्धार्थ मोंगा को दिए एक बेबाक साक्षात्कार में, जब गौतम भारतीय टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे, उन्होंने अपनी असुरक्षाओं और उनसे निपटने के अधीर तरीकों पर दिल खोलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि वे इस तरह से बने हैं, जहां उन्हें हमेशा लगता रहा कि बहुत अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उन्हें उनका हक नहीं मिला। उन्होंने अंडर-14, अंडर-19 और यहां तक कि रणजी ट्रॉफी में भी असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया था, फिर भी उन्हें भारत की ओर से विश्व कप खेलने के लिए नहीं चुना गया।

साल 2007 के विश्व कप टीम का हिस्सा न होने पर उन्हें झटका लगा था, लेकिन गुस्सैल स्वभाव को अपनी ट्रेनिंग और साधना में बाधा नहीं बनने दिया और आखिरकार भारतीय टीम में वापसी की, और भारत को 2007 में टी-20 और 2011 वनडे विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। गंभीर में कड़ी मेहनत के मोल और अस्वीकृति पर निराशा से उपजे गुस्से को अच्छा प्रदर्शन करने के जुनून में बदल देने की समझ थी। उन्होंने ऐसा किया भी।

मुंशी प्रेमचंद भी 'मुरीद' थे जिनके

दिलचस्प है कि 'वैशाली की नगरवधू' को आचार्य स्वयं भी अपना 'एकमात्र' उपन्यास मानते थे। उन्होंने घोषित कर दिया था कि यह उनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है। उन्हीं के शब्दों में 'मैं अब तक की सारी रचनाओं को रद्द करता हूं और 'वैशाली की नगरवधू' को अपनी एकमात्र रचना घोषित करता हूं।'

कृष्ण प्रताप सिंह

इसे हिंदी जगत की विस्मरण की प्रवृत्ति का विषफल ही कहा जायेगा कि उसे इतिहास की दृष्टि से लिखा गया पहला उपन्यास 'वैशाली की नगरवधू' देने वाले आचार्य चतुरसेन शास्त्री को अब उनकी जयंती व पुण्यतिथि पर भी याद नहीं किया जाता। यह तब है, जब आचार्य के जीते जी ही उनकी झोली प्रशंसकों और प्रशंसाओं से भरी हुई थी। कथासम्राट मुंशी प्रेमचंद भी उनके मुखर प्रशंसक थे, जिन्होंने एक समय उनके सृजन पर रीझकर उनसे कहा था कि 'लिखते तो आप हैं, मैं तो कलम रगड़ता हूं। दिलचस्प है कि 'वैशाली की नगरवधू' को आचार्य स्वयं भी अपना 'एकमात्र' उपन्यास मानते थे। उन्होंने घोषित कर दिया था कि यह उनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है। उन्हीं के शब्दों में 'मैं अब तक की सारी रचनाओं को रद्द करता हूं और 'वैशाली की नगरवधू' को अपनी एकमात्र रचना घोषित करता हूं।'

रचना प्रक्रिया के बारे में उन्होंने अपनी आत्मकथा 'मेरी आत्मकहानी' में लिखा है कि 1938 में उन्हें उपचार के सिलसिले में बिहार जाना पड़ा तो वहां पहाड़ियों में भटकने और जलस्रोतों में घंटों स्नान के दौरान वे एक जाग्रत स्वप्न देखने लगे। ऐसा लगने लगा जैसे कोई ग्रंथ लिख रहे हों। आंखों के सामने दृश्य बनने लगे। पत्तों की बातचीत प्रत्यक्ष कानों में पड़ने लगी। यह नित्य होने लगा तो एकबारगी तो वे डर गए कि कहीं उनको किसी मानसिक व्याधि ने तो नहीं घेर लिया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरे शरीर के संपूर्ण जीवकोष कल्पना के वशीभूत हो गए और मैंने कहा-'नाचो अम्बपाली (उपन्यास की नायिका) और अम्बपाली नाची। मैंने अपनी आंखों से उसे नील गगन में चंद्रमा के उज्ज्वल आलोक में नाचते देखा। मुझे ऐसा प्रतीत हुआ, जैसे मैं भी आकाश में उसके निकट पहुंच गया हूं। फिर एकाएक वेग से नीचे आ गिरा। मैं दृढ़तापूर्वक कहता हूं कि मैंने स्वप्न नहीं देखा था। मैंने जो कुछ देखा- जागते हुए देखा, सब सत्य। उस समय रात्रि के दो बजे थे। मैंने तुरंत उठकर उस नृत्य का वर्णन लिखा, जिसका संशोधित रूप 'वैशाली की नगरवधू' में कलमबद्ध है।'

उनके अनुसार वे यह उपन्यास लिखते थे तो उनको महसूस होता था कि आकाश से दो नेत्र उनके कंधों के पीछे से हर अक्षर को पढ़ रहे हैं। वर्ष 1891 में 26 अगस्त को उ.प्र. के बुलन्दशहर जिले के चांदोख गांव में पिता केशवराम वर्मा के घर माता नन्हीं देवी की कोख से जन्म हुआ तो उनका नाम चतुर्भुज रखा गया था। आरंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने 1915 में आयुर्वेदाचार्य व संस्कृत में शास्त्री की उपाधि प्राप्त की थी। फिर आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में कैरियर आरंभ करने से पहले कुछ वक्त तक एक धर्मार्थ औषधालय में 25 रुपये माह पर नौकरी की।

बाद में वे डी.ए.वी. कॉलेज, लाहौर में आयुर्वेद के प्राध्यापक नियुक्त हो गये थे, लेकिन प्रबंधन से खटपट के चलते कुछ ही सालों बाद इस्तीफा दे दिया। आयुर्वेदाचार्य के तौर पर उनको अनेक तत्कालीन राजे-महाराजाओं, महामना मदनमोहन मालवीय व बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे स्वतंत्रता संग्राम के नायकों और हरिवंश राय बच्चन जैसे साहित्यकारों का उपचार करने का अवसर भी मिला था। आलोचकों के अनुसार भले ही आचार्य 'वैशाली की नगरवधू' को अपना सर्वश्रेष्ठ उपन्यास बता गये हैं लेकिन उनकी 'सोमनाथ' और 'वयं रक्षाम' जैसी औपन्यासिक कृतियों की चर्चा के बगैर उनकी रचनाओं का मूल्यांकन अधूरा है। 'सोमनाथ' के केंद्र में सोमनाथ की ऐतिहासिक लूट और पुनर्निर्माण की गाथा है जबकि 'वयं रक्षाम' का केंद्रीय पात्र राक्षसराज रावण है। यों, उनके खाते में आत्मदाह, बहते आँसू, दो किनारे, नरमेध, अपराजिता, बगुला के पंख, मोती, पूर्णाहुति, रक्त की प्यास, आलमगीर, लाल पानी, सह्याद्रि की चट्टानें, हरण निमंत्रण, सोना और खून (चार खंड) जैसे अन्य उपन्यास भी हैं।

उन्होंने आयुर्वेद पर आधारित लगभग एक दर्जन ग्रंथों का लेखन भी किया, जिनमें आरोग्यशास्त्र, स्त्रियों की चिकित्सा, योग चिकित्सा, नीरोग रहने के सरल उपाय और सुगम चिकित्सा आदि प्रमुख हैं। 1936 में उन्होंने उस वक्त आयुर्वेद चिकित्सा की अपनी जमी जमाई प्रैक्टिस छोड़ दी थी, जब उन्हें उससे महीने में तीन हजार रुपए तक की आय हो जाती थी। उन दिनों यह बहुत बड़ी रकम थी। तिस पर उनकी व्यस्तता इतनी थी कि पुरुषोत्तमदास टण्डन जैसे वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानियों को भी उनका परामर्श पाने के लिए कई-कई दिन प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। लेकिन बाद में साहित्य और आयुर्वेद दोनों में से एक को चुनने का वक्त आया तो उन्होंने एक झटके में साहित्य को चुन लिया । वर्ष 1909 से 1948 के चार दशकों में उन्होंने अपने निजी जीवन में अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद 84 छोटी-बड़ी पुस्तकें और पत्रिकाओं के लिए सैकड़ों लेख लिखे थे। उन्होंने अनेक कहानियों व गद्य काव्य और धर्म, राजनीति, इतिहास व समाजशास्त्र आदि विषयों पर भरपूर लेखन भी किया है। इतना ही नहीं, नाटक, एकांकी, आत्मकथा जैसी विधाओं में भी अपना योगदान किया है।

भारत के ये हैं सबसे मशहूर संग्रहालय

संग्रहालय का उद्देश्य म्यूजियम के महत्व और भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। संग्रहालय वह स्थान है, जहां कोई देश अपनी संस्कृति, परंपरा और ऐतिहासिक महत्व रखने वाली अतीत की स्मृतियों के अवशेषों और कलाकृतियों को संरक्षित रखते हैं। विश्व भर में कई बड़े, बहुत पुराने और लोकप्रिय संग्रहालय मौजूद हैं। भारत के कई प्राचीन और प्रसिद्ध संग्रहालय हैं जो हमारी सभ्यता, कला, विज्ञान और परंपराओं की झलक प्रस्तुत करते हैं। यदि आप घूमने के शौकीन हैं और देश की विरासत को नजदीक से समझना चाहते हैं, तो इन प्रमुख संग्रहालयों की यात्रा जरूर करें।

राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली

राजधानी दिल्ली में स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय का इतिहास आजादी के बाद का है। वर्ष 1949 में इस संग्रहालय की स्थापना हुई थी। यहां दो लाख से अधिक कलाकृतियों को संग्रहित किया गया है। नेशनल म्यूजियम आने वाले दार्शनिकों को यहां सिंधु घाटी सभ्यता, गुप्तकालीन मूर्तियां, हथियार, वस्त्र और चित्रकला आदि देखने और इनके बारे में समझने का मौका मिलता है।

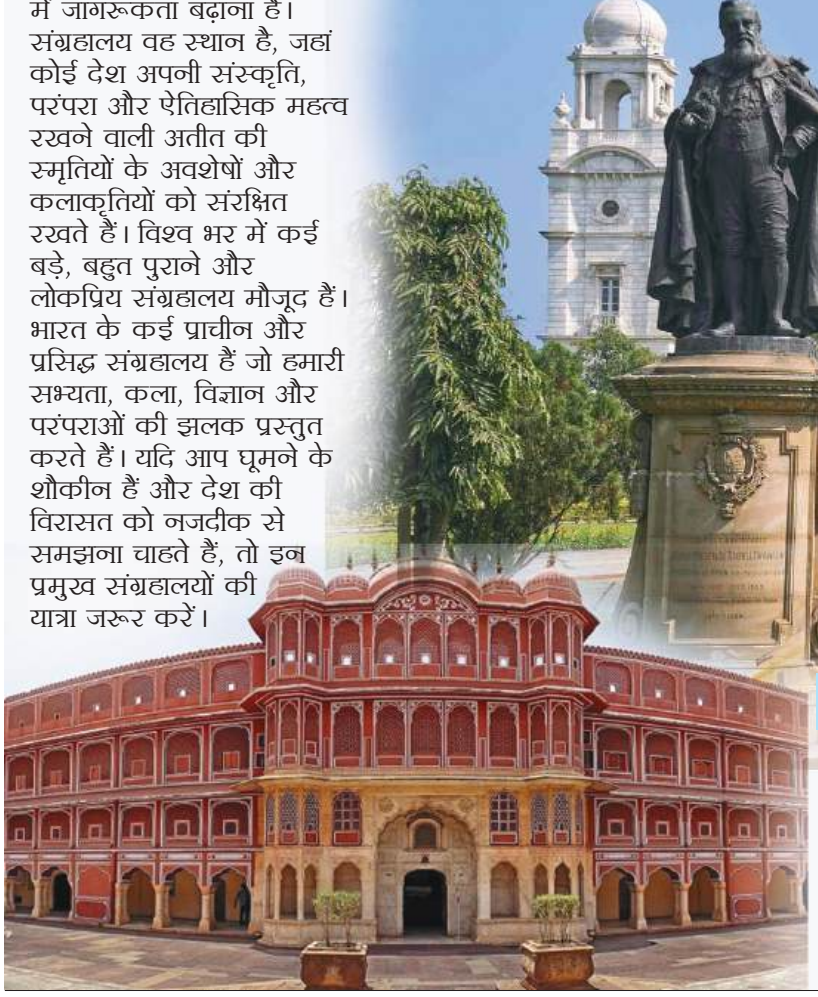

सिटी पैलेस म्यूजियम, उदयपुर

उदयपुर में सिटी पैलेस संग्रहालय है, जिसका इतिहास मेवाड़ के शासकों के इतिहास से जुड़ा है। इसका निर्माण 1559 में महाराणा उदय सिंह ने कराया था जब उन्होंने अपनी राजधानी चित्तौड़गढ़ से उदयपुर में स्थानांतरित की। 1969 में यह संग्रहालय के रूप में जनता के लिए खोल दिया गया जहां शाही हथियार, पोशाक, महल का शाही वैभव को प्रदर्शित किया जाता है।

प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम, मुंबई

प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम को छत्रपति शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय के नाम से भी जाना जाता है, जो आर्थिक राजधानी मुंबई में स्थित है। इस संग्रहालय की स्थापना 1922 में हुई थी। मुंबई के म्यूजियम में भारतीय कला, शिल्प और प्राचीन वस्तुओं का भंडार है। यहां देखने योग्य बौद्ध अवशेष, मूर्तियां, हथियार और पेंटिंग का शानदार कलेक्शन है।

भारतीय संग्रहालय कोलकाता

कोलकाता में भारतीय संग्रहालय स्थित है जिसकी स्थापना 1814 में बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी ने की थी। यह संग्रहालय कोलकाता के 1 पार्क स्ट्रीट में स्थित है। कोलकाता का इंडियन म्यूजियम न केवल भारतीय महाद्वीप में बल्कि विश्व के एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भी सबसे पुराना और सबसे बड़ा बहुउद्देशीय संग्रहालय है। यहां देखने के लिए प्राचीन कलाकृतियां, ममी, बौद्ध अवशेष, आभूषण, हड्डियां आदि रख गए हैं।

हंसना मना है

तीसरी क्लास का बच्चा (टीचर से) - मैडम मैं आपको कैसा लगता हूं? मैडम- सो स्वीट, बच्चा- तो मैं अपने मम्मी पापा को कब भेजूं आपके घर? मैडम- क्यों? बच्चा- बात आगे बढ़ाने के लिये! मैडम - ये क्या बकवास है? बच्चा - ट्युशन के लिए! क्या मैडम आप भी ना कसम से व्हाट्सएप पढ़-पढ़कर बिगड़ गई हो।

प्राइमरी क्लास में मास्टर साहब गणित सिखा रहे थे, मास्टर साहब-बेटा, मान लो मैंने तुम्हें 10 लड्डू दिए! पप्पू- क्यों मान लूं आपने तो मुझे एक भी नहीं दिया? मास्टर साहब-अरे मान ले न! मानने में तेरे बाप का क्या जाता है? पप्पू- ठीक है, मास्टर साहब -हां, तो उसमें से 5 तुमने मुझे वापस दे दिए, तो बताओ तुम्हारे पास कितने लड्डू बचे? पप्पू-20, मास्टर साहब- कैसे? पप्पू-मान लीजिए ना! मानने में आपके बाप का क्या जाता है!

लड़का - सर, मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं। पिता- कितना कमाते हो? लड़का - हर महीने 26000, पिता - मैं अपनी बेटी को 25000 पाकिट मनी के हर महीने देता हूं। लड़का - वो मिला के ही बोल रहा हूं।

कहानी | एक सत्संग ऐसी भी

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के एक घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहां जाते है। सेठजी बोले-सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि मैं आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। सेठजी संत की हालत देख कर चुप-चाप वहां से निकल जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है कि तेरी किस्मत ही खराब है जो तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। तोता कहता है कोई बात नही सेठजी मैं सब समझ गया। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते हैं तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे ही उसे पिंजरे से बाहर निकालते हैं, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते हैं कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहां हैं। सेठजी कहते हैं, हां महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया, मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया। इस कहानी से तात्पर्य ये है कि हम सत्संग में तो जाते हैं ज्ञान की बाते करते हैं या सुनते भी हैं, पर हमारा मन हमेशा सांसारिक बातों में हीं उलझा रहता हैं। सत्संग में भी हम सिर्फ उन बातों को पसंद करते हैं जिसमें हमारा स्वार्थ सिद्ध होता हैं। जबकि सत्संग जाकर हमें सत्य को स्वीकार कर सभी बातों को महत्व देना चाहिये और जिस असत्य, झूठ और अहंकार को हम धारण किये हुए हैं उसे साहस के साथ मन से उतार कर सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

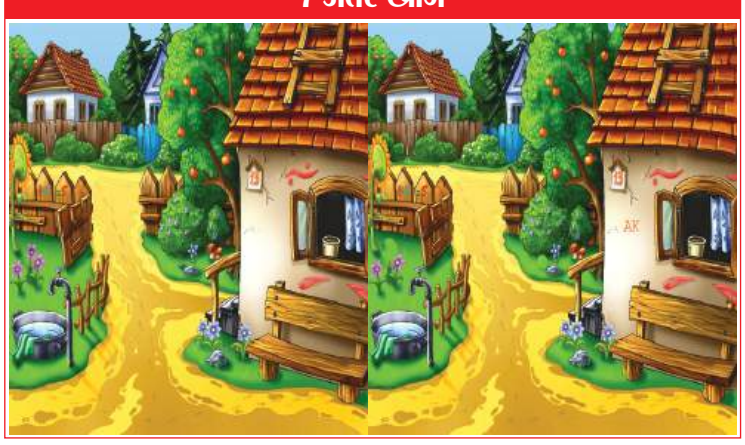

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

वृषभ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मिथुन मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें।

सिंह नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

धनु लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मकर हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कुम्भ व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी।

रागिनी एमएमएस-3 में हुई नोरा फतेही की इंट्री

निर्माता और निर्देशक एकता कपूर एक बार फिर से अपनी आगामी फिल्म रागिनी एमएमएस 3 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हर बार की तरह इस बार फिल्म में नई स्टार कास्ट नजर आएगी, जिसमें अभी तक तमन्ना भाटिया की एंट्री हो चुकी है। वहीं अब एक और एक्ट्रेस के होने की जानकारी सामने आई है। जानिए कौन है वह एक्ट्रेस जो तमन्ना के साथ रागिनी एमएमएस 3 में नजर आएंगी। 123 तेलुगु डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, रागिनी एमएमएस 3 में तमन्ना भाटिया के बाद अब एकता कपूर की इस फिल्म में नोरा फतेही भी शामिल हो चुकी हैं। तमन्ना भाटिया जल्द ही हॉरर और थ्रिलर से भरी फिल्म रागिनी एमएमएस 3 में मुख्य भूमिका निभाएंगी। उन्हें इस फिल्म की कहानी और उसमें मौजूद हॉरर का तड़का बहुत पसंद आया, जिसके चलते उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कर दी है। तमन्ना के साथ अब खूबसूरत अभिनेत्री नोरा फतेही भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। यह फिल्म एकता कपूर के बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है।

नोरा फतेही इस समय राघव लॉरेंस की हॉरर-कॉमेडी फिल्म कंचना 4 में काम कर रही हैं। तमन्ना और नोरा पहले बाहुबली- द बिगिनिंग में साथ नजर आ चुकी हैं, लेकिन दोनों ने एक भी सीन साथ में नहीं किया था। नोरा ने बाहुबली-द बिगिनिंग में मनोहारी गाने पर डांस किया था, न कि कोई मुख्य किरदार निभाया था। उनका लुक इस गाने में काफी खास था। अब फैंस इन दोनों को रागिनी एमएमएस 3 में एक साथ देख सकेंगे।तमन्ना भाटिया जल्द ही फिल्म वीवन में नजर आएंगी। हॉरर फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट 15 मई, 2026 को रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में तमन्ना के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे। फिल्म की झलक पहले ही दिखाई जा चुकी है।

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट के साथ जुड़ीं सनी लियोनी

बॉलीवुड | **मसाला**

सनी लियोनी ने जिस्म 2, रईस, तेरा इंतजार और एक पहेली लीला जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। वेब सीरीज में भी वे नजर आ चुकी हैं। सोमवार को पोस्ट शेयर कर उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर डिटेल शेयर की हैं, जिसकी शूटिंग शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ काम करेंगी।

सनी लियोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ कैप्शन लिखा है, अपने पसंदीदा निर्देशकों में से एक के साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। चलिए कुछ जादू करते हैं।

बता दें कि इससे पहले सनी लियोनी विक्रम भट्ट के साथ वेब सीरीज अनामिका में काम कर चुकी हैं, जो साल 2022 में आई थी। एक्शन से भरपूर यह जासूसी थ्रिलर वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। इसका निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया।

सनी और विक्रम के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर नेटिजन्स रिएक्शन दे रहे हैं। दोनों को बधाई दे रहे हैं। सनी लियोनी के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म जिस्म-2 से डेब्यू किया था। हालांकि, वो साल 2011 में ही चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस में आकर भारत में अपनी पहचान बना चुकी थीं। सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा था, लेकिन एडल्ट इंडस्ट्री में काम करने के लिए उन्होंने अपना नाम सनी लियोनी रख लिया।

बॉलीवुड | **मन की बात**

फिल्म '120 बहादुर' में देशभक्ति की भावना का एहसास हुआ : फरहान

फरहान अख्तर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म '120 बहादुर' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म का टीजर सामने आ चुका है, जिसमें बहादुरी की कहानी देखने को मिली। अब दर्शक फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अब अभिनेता फरहान अख्तर ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों के बारे में बात की। मसाला के कवर इंटरव्यू में फिल्म के बारे में बात करते फरहान अख्तर ने कहा कि इस फिल्म की कहानी उस युद्ध की है जो शैतान सिंह और उनके योद्धाओं ने लड़ा था। यह कहानी अब किंवदंतियों का विषय बन गई है। जब मैंने यह कहानी सुनी, न केवल शैतान सिंह की, बल्कि उनके साथ लड़ने वाले सैनिकों की भी, तो इसने मुझे सचमुच प्रेरित किया। यह एहसास दिलाने के लिहाज से बहुत प्रेरणादायक था कि अगर आप दृढ़ निश्चयी हैं, तो आप अपने लोगों और समाज के लिए कितना कुछ कर सकते हैं। इस भावना ने मुझे सचमुच बहुत ज्यादा प्रभावित किया। अभिनेता ने आगे कहा कि ऐसा करने पर आपको देशभक्ति की एक अद्भुत भावना का एहसास होता है। यह किसी तरह भारतीय होने के अर्थ को सामने लाता है। यह आपके अंदर कुछ जगाता है। आगे एक्टर्स के विचारधारा के बारे में बात करते हुए फरहान ने कहा कि हम सभी कलाकारों में आगे बढ़ने की इच्छा होती है। लेकिन यह एक ऐसी कहानी है जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है। यह तथ्य कि यह मुझ तक पहुंची है और लगभग 64 साल बाद इसे बनाने का उत्साह, अपने आप में बहुत कुछ कहता है। '120 बहादुर' उन 120 भारतीय सैनिकों की अविश्वसनीय सच्ची कहानी पर आधारित है, जो 1962 में भारत-चाइना युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई में अपनी जमीन पर डटे रहे, जो भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे बहादुर पलों में से एक है। रजनीश घई द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

17 साल तक अपने दुश्मन को याद रखते हैं कौवे, मौका मिलते ही करते हैं हमला

आपने कई ऐसी फिल्में देखी होंगी, जिनमें जानवर उन इंसानों से बदला लेते हैं। फिल्मों में कई बार सांप को बदला लेते देखा होगा। आपने फिल्मों में देखा होगा कि जब कोई इंसान किसी जानवर को चोट पहुंचाता है तो वह जानवर उसे याद रखता है और बाद में उस इंसान से बदला लेता है। आप सोच रहे होंगे कि ऐसा तो सिर्फ फिल्मों में होता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने एक ऐसा दावा किया है, जिसके बारे में सोचकर आप हैरान रह जाएंगे। वैज्ञानिकों का दावा है कि कौवे भी बदला लेते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर कभी कौवों ने इंसानों से दुश्मनी मोल ली, तो वो कई सालों तक याद रखते हैं।

बर्ड्स एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर किसी इंसान से कौवों की दुश्मनी हो गई, तो वो करीब 17 सालों तक उस इंसान को याद रखते हैं और बदला लेने की कोशिश में लगे रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन के प्रोफेसर जॉन मारजलुफ एक एनवायरोमेंटल साइंटिस्ट हैं। उन्होंने काफी शोध के बाद बदला लेने वाले कौवों पर जानकारी जुटाई है।

प्रोफेसर जॉन मारजलुफ ने वर्ष 2006 में एक एक्सपेरिमेंट किया था। इसमें उन्होंने एक दैत्य का मास्क पहना और फिर 7 कौवों को एक जाल में फांसकर पकड़ लिया। प्रोफेसर ने पक्षियों के ऊपर पहचान के लिए बैंड बांध दिए थे। कुछ ही पल में उन्होंने बिना चोट पहुंचाए कौवों को आजाद भी कर दिया। लेकिन जॉन ने दावा किया कि छूटने के बाद भी उन कौवों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। जब भी वो मास्क पहनकर यूनिवर्सिटी कैंपस में निकलते, कौवे उनके ऊपर हमला कर देते। उन्होंने अपने शोध से पाया कि पक्षियों के दिमाग में भी एक ऐसा हिस्सा होता है, जो स्तनधारियों के एमिगडाला से मिलता जुलता है। एमिगडाला, दिमाग का वो हिस्सा है, जो इमोशन्स को प्रोसेस करता है। प्रोफेसर को यह देखकर हैरानी हुई कि पक्षी, इंसानों की छोटी से छोटी हरकत पर भी गौर करते हैं, यहां तक कि चेहरे भी पहचानते हैं। उन्हें हैरानी हुई कि उन कौवों के झुंड में बाकी कौवे भी उनके ऊपर हमला करने लगे। ये सिलसिला 7 सालों तक चलता रहा। 2013 के बाद से ऐसा हुआ कि कौवों की हिंसा कम होती गई। पिछले साल सितंबर में जब वो टहलने निकले, तब इस घटना को 17 साल हो चुके थे। तब पहली बार ऐसा हुआ कि वो मास्क पहनकर निकले और कौवों ने उन्हें देखकर न आवाज लगाई न ही हमला किया। अब प्रोफेसर जॉन अपने शोध को पब्लिश करने की योजना बना रहे हैं।

अजब-गजब | **इस गांव में गणेश उत्सव मनाने पर पूरी तरह है प्रतिबंध**

यहां भगवान गणेश जी की मूर्ति स्थापित करने पर शुरू हो जाता है अनहोनी का सिलसिला

हर वर्ष भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। इस बार गणेश चतुर्थी आज 27 अगस्त को मनाई जा रही है। बता दें कि पूरे देश में गणेश उत्सव 10 दिन तक मनाया जाता है। इस दौरान लोग अपने घरों में गणेश जी की मूर्ति स्थापित करते हैं। कई जगह पांडाल लगते हैं और वहां बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि एक गांव ऐसा भी है, जहां गणपति की मूर्ति स्थापित नहीं की जाती। गांव वालों का कहना है कि यहां भगवान गणेश जी की मूर्ति स्थापित करने पर अनहोनी का सिलसिला शुरू हो जाता है।

यह गांव मध्यप्रदेश में है। इस गांव के लोगों की करीब एक सदी पुरानी परंपरा है कि ये गणेश पूजन के लिए गांव में प्रतिमा स्थापित नहीं करते। यह गांव मुलताई से 80 किमी दूर बसे गांव तरोड़ा बुजुर्ग है। यहां के लोगों का मानना है कि गांव में गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने से मौत का सिलसिला शुरू हो जाता है।

तरोड़ा बुजुर्ग गांव में लगभग 250 घरों की बस्ती है। यहां 2200 लोग रहते हैं। इस गांव में गणेश उत्सव मनाने पर पूरी तरह प्रतिबंध है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गांव के सरपंच

दयाल पंवार का कहना है कि पुरानी मान्यता के चलते गांव में गणेश प्रतिमा न स्थापित करने की परंपरा सालों से चली आ रही देख रहे हैं। उनका कहना है कि उनके बुजुर्गों से यह बात पता चली थी कि गणेश प्रतिमा की स्थापना करने पर आपदा आ जाती है। जानवरों की मौत होने लगती है। लोग बीमार होने लगते हैं और गांव में मौतों का सिलसिला शुरू हो जाता है, इसलिए वह भी इसी परंपरा को निभाते आ रहे हैं। गांव में गणेश प्रतिमा की स्थापना नहीं करते हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि भगवान गणेश की पूजा सभी करते हैं, लेकिन केवल गांव में गणेश उत्सव नहीं मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि गांव में केवल मूर्ति नहीं बिठाने की परंपरा है, जिसको पूरा गांव निभाता आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गणेश जी रिद्धि-सिद्धि के दाता हैं और प्रथम पूज्य देवता हैं, लेकिन गांव की परंपरा के चलते उनकी स्थापना नहीं की जाती है।

ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती के निचले भाग में पंचायत भवन के पास लगभग 31 साल पहले बाहर से एक परिवार आकर रहने लगा था। इस परिवार ने घर में एक गणेश प्रतिमा की स्थापना की थी। गणेश उत्सव के पहले दिन जब गणेश प्रतिमा लाई तो उनके घर में एक बुजुर्ग का स्वास्थ्य खराब हो गया और दूसरे दिन ही उसकी मौत हो गई थी। वहीं, उनके पड़ोसी का स्वास्थ्य भी खराब हो गया था। जिसके चलते तीसरे दिन ही प्रतिमा का विसर्जन कर दिया गया था। ग्रामीणों ने बताया कि वह परिवार अब गांव में नहीं रहता, उस समय भी ग्रामीणों ने उस परिवार को गणेश प्रतिमा की स्थापना नहीं करने की समझाइश दी थी, लेकिन उन्होंने यह बात नहीं मानी थी।

आवाज नहीं दबा सकती भाजपा : पटवारी

» विवादित बयान पर दिया जवाब, बोले- हम आवाज नहीं उठाएंगे तो कौन उठाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अपने बयान पर उठे विवाद पर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी मंगलवार को जबलपुर पहुंचे काफी आक्रामक मुद्रा में दिखाई दिए। जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में शराब और ड्रग्स की खपत बेतहाशा बढ़ी है। युवाओं के अलावा बच्चे तक नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। इस मुद्दे पर अगर विपक्षी दल कांग्रेस आवाज नहीं उठाएगी तो कौन उठाएगा। जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश में शराब की खपत बढ़ी है, ये मैं नहीं बल्कि केंद्र सरकार की रिपोर्ट है। अगर केंद्र सरकार ही कहती है कि मध्य प्रदेश में शराब पीने वालों की संख्या बढ़ी है तो इसके खिलाफ कांग्रेस पार्टी आवाज उठाएगी। अगर किसी घर में कोई बेटा नशा करके पहुंच रहा है तो उन माता-पिता पर क्या बीतती है, क्या बीजेपी सरकार इस बात का जवाब देगी।

उन्होंने भोपाल के अलावा मालवा में पकड़े ड्रग्स का हवाला देते हुए कहा कि तस्करों के फोटो किन बीजेपी नेताओं के साथ हैं, क्या उन पर कार्रवाई करने की हिम्मत मुख्यमंत्री मोहन यादव दिखाएंगे। हरतालिका तीज पर उनकी बात को गलत तरीके से पेश कर बीजेपी सरकार अपने गुनाहों पर पर्दा डालना चाहती है। कांग्रेस नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करती रहेगी। जीतू पटवारी ने कहा कि बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के घर में भी महिलाएं हैं। मेरी भी दो बेटियां हैं। घर का कोई भी सदस्य यदि शराब पीकर आता है तो परिवार पर क्या बीतती है। भारत सरकार की कई एजेंसियां कह रही हैं कि मध्य प्रदेश में शराब पीने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है और यदि समाज में शराबखोरी बढ़ रही है तो इसके खिलाफ विपक्ष आवाज नहीं उठाएगा तो कौन उठाएगा। भोपाल के अलावा मंदसौर में हर दो-तीन महीने में ड्रग्स के बड़े जखीरे पकड़े जाते हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि ड्रग्स तस्करों की मंत्रियों के साथ फोटो आती है, क्या यह बात विपक्ष को नहीं उठानी चाहिए. शहरों में गली-गली नशे की सामग्री उपलब्ध है। यदि लोग शराब पीकर नशे के आदी बना रहे हैं तो यह गलत है और उसके खिलाफ कांग्रेस आवाज उठाती रहेगी। सभी लोगों को इस बुराई के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। प्रदेश में युवा बेरोजगार हैं, अपराध बढ़ रहे हैं, महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। इन मामलों को लेकर कांग्रेस विरोध करती रहेगी। जीतू पटवारी सरकार पर नशा, बेरोजगारी और कुपोषण पर हमला कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को तमंगा मिला है कि प्रदेश की महिलाएं देश में सबसे ज्यादा शराब पीती हैं। समृद्ध मध्य प्रदेश का सपना दिखाने वाली भाजपा ने यह हालत कर दिए है, जितना ड्रग का कारोबार यहां होता है उतना दूसरी किसी राज्य में नहीं होता। मुख्यमंत्री ने यह प्रयास नहीं किए कि इससे निजात कैसे दिलाएं। पटवारी ने कहा कि हमारी बहनें, बेटियां नशा करने लगी हैं, लाडली बहना के नाम पर वोट तो ले लिए और मध्य प्रदेश में बहना ही सबसे ज्यादा नशा करती हैं। इस पर विचार करना चाहिए।

ड्रग्स तस्करों की मंत्रियों के साथ आती है फोटो

भाजपा ने पीसीसी अध्यक्ष को घेरा

आंकड़े इटली से लेकर आए हैं : सारंग

वहीं, प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने भी जीतू पटवारी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि महिलाओं का अपमान करना कांग्रेस की संस्कृति है। क्या जीतू पटवारी आंकड़े इटली से लेकर आए हैं? उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की बहन बेटियों को इस तरह से बदनाम करना बहुत आपत्तिजनक है। अब प्रियंका गांधी कहा है, जो कहती थीं कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं। इस तरह महिलाओं का अपमान हो रहा है और सोनिया तथा प्रियंका गांधी मूकदर्शक बनी देख रही हैं।

खरगे माफी मांगें, पटवारी को हटाएं : मोहन यादव

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने महिलाओं पर टिप्पणी कर अपनी छोटी मानसिकता को दर्शाया है। यही कांग्रेस का चाल-चरित्र है। उसने कभी महिलाओं का सम्मान नहीं किया। सीएम ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को माफी मांगने और पटवारी को पद से हटाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने पटवारी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लाडली बहनों को शराबी बताना दुर्भाग्यपूर्ण है। बहनों का यह अपमान मध्य प्रदेश बर्दाश्त नहीं करेगा। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उनके ही एक कांग्रेस नेता ने कहा था कि लाडली बहनों को बोरे में बंद कर देंगे। आज हरतालिका तीज है। तीज के त्योहार के दिन बहनों का अपमान हमारी सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

ममता सरकार देश में सबसे भ्रष्ट

» भाजपा नेता दिलीप घोष बोले- बंगाल में है एक करोड़ फर्जी वोटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भाजपा के नेता दिलीप घोष ने ममता सरकार पर तीखा हमला बोला और उसे देश की सबसे भ्रष्ट सरकार करार दिया। घोष बनर्जी के उन आरोपों का जवाब दे रहे थे जिनमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार के मंत्री और विधायक जेल में हैं और ऐसा लग रहा है कि वे भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं। घोष ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में एक करोड़ से ज्यादा फर्जी मतदाता हैं, और उनका मानना है कि एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद ये मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे।

उन्होंने टीएमसी पर इन फर्जी पंजीकरणों के जरिए मतदाता आधार बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दिलीप घोष ने एएनआई से कहा कि ममता बनर्जी सरकार

के मंत्री और विधायक जेल में हैं। चोर कौन हैं, ये तो सबको पता है। यहां एसआईआर शुरू होने के बाद, यहां के 1 करोड़ से ज़्यादा फ़र्जी मतदाता भी बाहर हो जाएंगे, इसलिए टीएमसी सरकार यहां भी नहीं बनेगी। वे इससे डरे हुए हैं, इसलिए ऐसे बेतुके बयान दे रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ममता ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राज्य की महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन रोकने का आरोप लगाया था। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पीएम ने बंगाल की जनता का अपमान किया है।

विपक्ष को अस्थिर करना चाहती है बीजेपी

» कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा बोले- कुर्सी जाने वाला 130वां संशोधन नहीं होने देंगे पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भिवानी। रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भिवानी के चांग गांव में पूर्व विधायक शशि परमार के बड़े भाई राजकुमार के निधन पर शोक व्यक्त करने के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हरियाणा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, चुनावी अनियमितताओं और प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। चुनावी प्रक्रि या पर सवाल उठाते हुए हुड्डा ने दावा किया कि भाजपा, चुनाव आयोग के साथ मिलकर चुनावी नतीजों को प्रभावित करती है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक की एक सीट पर उठाए गए मुद्दे का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग के

पास इसका कोई जवाब नहीं था। उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र में भी ऐसी अनियमितताओं की बात कही और दावा किया कि हरियाणा में हुई गड़बड़ियों के सबूत जल्द ही जनता के सामने लाए जाएंगे। हुड्डा ने प्रस्तावित 130वें संवैधानिक संशोधन, जिसमें 30 दिन की जेल होने पर जनप्रतिनिधियों की सदस्यता रद्द करने का प्रावधान है, को विपक्ष को खत्म करने का हथियार करार दिया। उन्होंने कहा कि यह कानून भ्रष्टाचार रोकने के बजाय विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करने के लिए बनाया गया है। हुड्डा ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय का दुरुपयोग कर भाजपा इस कानून का गलत इस्तेमाल कर सकती है। उन्होंने कहा अगर यह कानून पहले लागू होता, तो भाजपा झारखंड और दिल्ली की विपक्षी सरकारों को पहले ही गिरा चुकी होती। कांग्रेस इस बिल को संसद में पास नहीं होने देगी।

हरियाणा की कानून-व्यवस्था बदहाल

दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा में बढ़ते अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में जनता निश्चिंत थी, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार में गुंडे और अपराधी बेखौफ हो गए हैं। उन्होंने फिरौती, हत्या और अन्य अपराधों में वृद्धि का आरोप लगाते हुए कहा हरियाणा अब अपराध का गढ़ बन चुका है, जहां गैंग्स के बीच फिरौती की होड़ लगी है। मनीषा हत्याकांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह मुद्दा विधानसभा में जोरदार तरीके से उठा, जिससे सरकार की नाकामी उजागर हुई है।

अश्विन ने आईपीएल को भी कहा अलविदा

» ऑफ स्पिनर ने कहा- हर अंत एक नई शुरुआत होती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन ने इंडियन प्रीमियर लीग से रिटायर होने का फैसला किया है। टीम इंडिया के दिग्गज ऑफ स्पिनर रहे अश्विन ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया भर की अलग-अलग लीगों में खेल के नए अनुभवों का उनका सफर आज से शुरू हो रहा है। अश्विन ने अपने रिटायरमेंट पोस्ट में लिखा- कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है, लेकिन विभिन्न लीग में खेल की खोज करने का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है।

ध्यान रहे अश्विन ने 18 दिसंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया था, तब उन्होंने आईपीएल में खेलते रहने की बात कही थी। वह

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेले थे। जहां उन्होंने 9 मैचों में 7 विकेट लिए और 33 रन बनाए। 2025 में सीएसके के संघर्ष के बीच अश्विन अन्य विवादों में भी शामिल रहे। हाल में उन्होंने डेवाल्ड ब्रेविस को लेकर भी टिप्पणी की थी, जहां उन्होंने कहा था कि उनको ज्यादा पैसे दिए गए थे। बाद में उन्होंने इस मामले में सफाई दी थी। इसके बाद अब अश्विन ने बुधवार (27 अगस्त) को सोशल मीडिया पर इस अपने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। अश्विन आईपीएल टूर्नामेंट के इतिहास में युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, सुनील नरेन और पीयूष चावला के बाद पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में रिटायर हुए।

आईपीएल कॅरियर में लिए 187 विकेट

38 साल के ऑफ स्पिनर ने 221 आईपीएल मैचों में 187 विकेट निकाले। इनका इकोनॉमी रेट 7.20 का रहा। उनकी बेस्ट गेंदबाजी 4/34 रही। इसके अलावा 98 पारियों में 833 रन बनाए। उच्चतम स्कोर 50 रहा। अश्विन इंडियन प्रीमियर लीग में 5 टीमों के लिए चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के लिए खेले थे। उन्होंने टूर्नामेंट में पंजाब की कप्तानी भी की थी।

राहुल और प्रियंका गांधी ने दरभंगा से भरी हुंकार

वोटर अधिकार यात्रा में उमड़ा जनसमूह

निशाने पर एनडीए व नीतीश सरकार

तेजस्वी यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं का जोरदार स्वागत किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' लगातार सुर्खियों में है। यात्रा के दसवें दिन इसे खास बनाने के लिए राहुल गांधी के साथ उनकी बहन और पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी भी शामिल हुईं। दरभंगा पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं का जोरदार स्वागत किया। जगह-जगह पटाखे फोड़े गए और दीपावली जैसा माहौल बना दिया गया।

भालपट्टी थाना क्षेत्र के नरपतनगर में कांग्रेस नेता शंकर कुमार झा के नेतृत्व में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया, जिसके जरिए यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान राहुल गांधी के साथ प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव, सांसद पप्पू यादव, वाम नेता दीपंकर भट्टाचार्य और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन भी मौजूद रहे।राहुल गांधी की यात्रा का रात्रि विश्राम जीवछ घाट स्थित फखरूद्दीन टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में होगा। बुधवार की सुबह यात्रा दरभंगा में पदयात्रा करते हुए मुजफ्फरपुर की ओर बढ़ेगी। कांग्रेस नेता शंकर कुमार झा ने कहा, राहुल गांधी के स्वागत के लिए गंगा आरती की विशेष व्यवस्था की गई थी। यह

वोट अधिकार यात्रा के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी , प्रियंका गांधी और यूपी के पूर्व सीएम सह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 27 अगस्त 25 की शाम मां जानकी की धरती सीतामढ़ी आयेंगे। राहुल

अखिलेश का भी मेगा शो

गांधी दूसरी बार यहां आ रहे है, तो प्रियंका गांधी और अखिलेश की सीतामढ़ी की यह पहली यात्रा है। राहुल गांधी के आगमन से यहां के कांग्रेस नेताओं के साथ ही कार्यकर्ताओं में एक अलग तरह का उत्साह देखा जा रहा है। पार्टी नेता से लेकर कार्यकर्ता तक उक्त कार्यक्रम की तैयारी में जुटे हुए है। बहरहाल, राहुल गांधी के कार्यक्रम में कुछ रिकॉर्ड भी बनते है। यहां भी रिकॉर्ड बनने जा रहा है। यह कि सीतामढ़ी में जिस हवाई अड्डा मैदान में वे हेलीकॉप्टर से उतरेंगे, वहीं पर रात्रि विश्राम भी करेंगे।

सीतामढ़ी भी आएंगे नेता प्रतिपक्ष व वायनाड सांसद

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव सीतामढ़ी जिला मुख्यालय, डुमरा स्थित हवाई अड्डा मैदान में हेलीकॉप्टर से आयेंगे। इससे पूर्व वे रुन्नीसैदपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारी जोरो पर चल रही है। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस और राजद के नेता तैयारियों में जुटे हुए है। सभा स्थल पर भीड़ जुटाने और आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

कल जानकी मंदिर में जाएंगे राहुल/प्रियंका

27 अगस्त की रात डुमरा के हवाई अड्डा मैदान में ही बने टेंट में राहुल, प्रियंका और अखिलेश विश्राम करेंगे और 28 अगस्त की सुबह ये तीनों मां जानकी की जन्मभूमि पुनौरा धाम मंदिर में माता जानकी का दर्शन और पूजा करेंगे। वहां के बाद राहुल गांधी, अखिलेश और प्रियंका का काफिला रीगा ओर सुप्पी प्रखंड में नुक्कड़ सभा में पहुंचेगी। फिर बैरगनिया में पटेल चौक पर सभा होगी।

लखनऊ में एक ही घर से दो सगे भाइयों की मौत

» घर में कूड़े के ढेर में मिला शव, घर के अंदर कुत्ते बंद

» पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक मकान से दो सगे भाइयों के शव बरामद हुए। दोनों शव घर के अंदर अलग-अलग जगहों पर पड़े मिले, जिनमें से एक शव कूड़े के ढेर में दबा मिला। घटना चौपटिया पावर हाउस के पीछे स्थित श्व-5 मकान की है, जहां राजू पाहवा (62) और रवि पाहवा (58) पिछले कई वर्षों से अकेले रह रहे थे।

सोमवार देर रात घर से बदबू आने पर पड़ोसियों ने मृतकों की बहन को सूचना दी। बहन के पहुंचने पर दरवाजा खुलवाया गया, जिसके बाद अंदर का नजारा देख सभी के होश उड़ गए। मकान के अंदर कुत्ते बंद थे और पूरा घर गंदगी और कूड़े से भरा हुआ था। पुलिस को एक शव कूड़े के ढेर में दबा मिला, जबकि दूसरा शव अलग कमरे में पड़ा था। आसपास खड़े लोगों ने बताया कि दोनों भाई कुत्तों से बेहद लगाव रखते थे और मानसिक रूप से परेशान थे।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, छोटा भाई रवि पाहवा करीब 30 साल पहले पत्नी उसे छोड़कर जा चुकी थी। वहीं बड़ा भाई राजू मानसिक रूप से बीमार था और लंबे समय से कूड़ा उठाने का काम करता था।

जीजा ने भी दी थी सूचना

मृतकों के जीजा प्रदीप बग्गी ने भी पुलिस को सूचना दी थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत के असल कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

अगर निष्पक्ष चुनाव हुए तो एनडीए हार जाएगा : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन मुजफ्फरपुर में मतदाता अधिकार रैली के लिए कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और अन्य के साथ शामिल हुए। इस दौरान एमके स्टालिन ने कहा कि हमारे नेता करुणानिधि और लालू यादव बहुत अच्छे दोस्त थे।

लालू प्रसाद यादव देश के सबसे प्रमुख नेताओं में से एक हैं क्योंकि वे भाजपा से कभी नहीं डरे। उनसे प्रेरणा लेते हुए उनके बेटे तेजस्वी यादव भी उनके नक्शेकदम पर चल रहे हैं। स्टालिन ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की दोस्ती सिर्फ़ राजनीतिक रिश्ता नहीं, दो भाइयों का रिश्ता है। यही दोस्ती उन्हें विजयी बनाएगी। हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हुए हैं।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे, रिटर्न गिफ्ट में हिंदू राष्ट्र का तोहफा!

» उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद हिंदू राष्ट्र की थ्योरी पर अमल

» संघ प्रमुख मोहन भागवत हिंदू राष्ट्र से जुड़ा बयान हो रहा वायरल

» उपराष्ट्रपति की कुर्सी सत्ता से ज्यादा रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद की कुर्सी पर शिकंजा कसने के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू राष्ट्र की थ्योरी को एक बार फिर जनता के सामने जाहिर किया है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित व्याख्यान श्रृंखला संघ की 100 वर्षों की यात्रा नए क्षितिज के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने एक बार फिर हिंदू राष्ट्र की बात कही है। उपराष्ट्रपति के पद पर सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी तय हो जाने के बाद उनका यह बयान क्या इस बात का प्रमाण है कि क्या देश अब हिंदू राष्ट्र घोषित होने से महज चंद कदम की दूरी पर है..।

जनता यह मान भी ले कि उपराष्ट्रपति का पद सिर्फ़ एक औपचारिक चेहरा होता है। लेकिन सियासत के खिलाड़ी जानते हैं कि यह कुर्सी महज शाही सजावट नहीं बल्कि संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा की चाबी होती है। और इस चाबी से ही तय होता है कि कौन सा विधेयक पास होगा और किसे रोका जाएगा और किसकी आवाज़ दबाई जाएगी। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव पर जिस तरह की खेमाबंदी, कूटनीति और राजनीति चल रही है उससे साफ़ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब राजनीतिक रूप से उस ऊँचाई पर नहीं हैं जहाँ अकेले फैसले करा लें। संघ ने साफ़ संकेत दे दिये हैं कि उपराष्ट्रपति की कुर्सी पर उनका ही आदमी बैठेगा क्योंकि यही वह जगह है जहाँ से विपक्ष की सांसें घोंटी जा सकती हैं। हाल ही में जब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफ़ा दिया था तो उसके पीछे संघ/भाजपा के बीच खिंचतान की परछाइयाँ साफ़ दिखीं। अब सवाल यह नहीं कि नया उपराष्ट्रपति कौन होगा बल्कि यह है कि किसकी रणनीति भारी पड़ेगी—मोदी की शाह की या नागपुर की?

मोहन भागवत के बयान की असलियत क्या है?

संघ प्रमुख का यह बयान आया है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना देना नहीं, इसका मतलब सभी के लिए न्याय है। यह बयान ठीक उसी समय आया है जब उपराष्ट्रपति की कुर्सी पर दांव-घात चल रहे हैं। संघ किसी भी कीमत पर उपराष्ट्रपति के पद पर संघ से जुड़े व्यक्ति को बैठाना चाहता है। 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं और यह शताब्दी वर्ष की शुरूआत है। शायद इसी को पाने के लिए जगदीप धनकड़ का इस्तीफा करावाया गया। हकीकत भी यही है कि हिंदू राष्ट्र शब्द अपने आप में ही सत्ता का एजेंडा है। अगर सत्ता से लेना देना नहीं होता तो फिर चुनावों में मंदिर बनाम मस्जिद, राम बनाम रहीम और घर वापसी जैसी लकीरें क्यों खींची जाती हैं? क्यों विपक्षी नेताओं को देशद्रोही कहकर कोसा जाता है? क्यों हर नीतिगत बहस को हिंदू राष्ट्र बनाम सेक्युलरिज्म में बदल दिया जाता है? मोहन भागवत का बयान दरअसल जनता को यह समझाने की कोशिश है कि हम सत्ता से नहीं खेलते जबकि असलियत यह है कि सत्ता की हर कुर्सी संघ के इशारों पर ही सजाई जा रही है।

हिंदू राष्ट्र और उपराष्ट्रपति एक ही थाली के चट्टे-बट्टे

अगर हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना देना नहीं है तो फिर उपराष्ट्रपति के लिए संघ क्यों इतना बेचैन है? क्यों हर बार नाम तय करने में नागपुर की खामोश फाइलें दिल्ली तक पहुँचती हैं? क्यों प्रधानमंत्री को भी उस पर हामी भरनी पड़ती है? यहां साफ़ दिखता है कि उपराष्ट्रपति और हिंदू राष्ट्र की थ्योरी एक ही राजनीतिक थाली में परोसी जा रही है। फर्क सिर्फ़ इतना है कि जनता के सामने यह न्याय के मीठे आवरण में लपेटी जाती है।

वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से मौत का आंकड़ा 32 हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू के कटरा स्थित वैष्णो देवी धाम के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 32 हो गया। हादसा मंगलवार को दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। कल देर रात तक 7 लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। बड़े-बड़े पत्थर, पेड़ और मलबा में दबने से ज्यादा नुकसान।

प्रशासन का कहना है कि 23 से ज्यादा लोग जख्मी हैं। कई लापता हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। फिलहाल, इस इलाके में भारी बारिश की वजह से वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई है।

मंगलवार को जम्मू शहर में 24 घंटे से भी कम समय में 250 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इससे कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात हैं। घरों और खेतों में पानी भर गया है। नॉर्दर्न रेलवे ने भी आज जम्मू-कटरा से चलने वाली और यहां रुकने वाली 22 ट्रेनें रद्द की हैं। इसके अलावा 27 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। हालांकि, कटरा-श्रीनगर के बीच ट्रेन सर्विस जारी है।

भारत ने पाकिस्तान को फिर चेताया

उत्तरी भारत में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने पर भारत ने पाकिस्तान को तवी नदी जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की है। नई दिल्ली से बुधवार को जारी अलर्ट के मुताबिक, कई बड़े बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया है, जिससे पाकिस्तान के क्षेत्रों पर भी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। भारत ने यह चेतावनी मानवीय आधार पर भेजी है। सूत्रों के अनुसार, भारत ने सोमवार को पहला अलर्ट जारी किया था। इसके बाद मंगलवार और बुधवार को भी पाकिस्तान को नई चेतावनियां भेजी गईं।

इतना डिस्कनेक्ट महसूस नहीं किया : उमर अब्दुल्ला

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अभी भी लगभग न के बराबर संचार से जूझ रहा हूँ। सीएम ने कहा कि 2014 और 2019 के भयानक दिनों के बाद से इतना डिस्कनेक्ट महसूस नहीं किया है। जियो मोबाइल पर थोड़ा-बहुत डेटा तो आ रहा है, लेकिन फिक्स्ड लाइन वाई-फाई नहीं है, ब्राउज़िंग नहीं है, और लगभग कोई ऐप नहीं है। एक्स जैसी चीज़ें बहुत धीरे खुलती हैं, और व्हाट्सएप छोटे टेक्स्ट मैसेज के अलावा किसी भी चीज़ के साथ संघर्ष करता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।